

Bruner's Theory of Cognitive Development/ ब्रूनर का संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत

Jerome Bruner is a process theorist who held that children have a high action - oriented form of intelligence and they know things by perceiving, them and are consequently strongly influenced by the vivid perceptual characteristics of objects and events. जेरोम ब्रूनर एक प्रक्रिया सिद्धांतकार है जो यह मानता है कि बच्चों के पास एक उच्च क्रिया-आधारित बुद्धि का रूप है और वे चीजों को जानते हैं और उन्हें मानते हैं, फलस्वरूप वे वस्तुओं और घटनाओं की ज्वलंत अवधारणात्मक विशेषताओं से दृढ़ता से प्रभावित होते हैं।

Pattern of Cognitive Growth/ संज्ञानात्मक विकास का पैटर्न

According to Bruner, cognitive growth has several distinct characteristics. They are :
ब्रूनर के अनुसार, संज्ञानात्मक विकास में कई विशिष्ट विशेषताएं हैं। वो हैं:

1. Cognitive development is characterized by increasing independence of a response from a stimulus. " संज्ञानात्मक विकास एक उत्तेजना से प्रतिक्रिया की स्वतंत्रता में वृद्धि की विशेषता है।
2. Intellectual growth depends on child's mental representation of the world. बौद्धिक विकास बच्चे के विश्व के मानसिक प्रतिनिधित्व पर निर्भर करता है
3. intellectual development involves an increasing capacity of symbolic activity. बौद्धिक विकास में प्रतीकात्मक गतिविधि की बढ़ती क्षमता शामिल है
4. intellectual development depends upon systematic interaction with members of society. बौद्धिक विकास समाज के सदस्यों के साथ व्यवस्थित बातचीत पर निर्भर करता है
5. Mental development is characterized by increasing mastery of language. मानसिक विकास की विशेषता भाषा की बढ़ती महारत है
6. Intellectual development is marked by increasing ability to perform concurrent activities and to allocate attention sequentially to various situations. बौद्धिक विकास समवर्ती गतिविधियों को करने की क्षमता बढ़ाने और विभिन्न स्थितियों पर क्रमिक रूप से ध्यान देने के लिए चिह्नित किया गया है

Stages of Cognitive Development/ संज्ञानात्मक विकास के चरण

According to Bruner, one's intellectual ability evolves as a result of maturation, training, and experiences though a series of three sequential stages viz, the enactive, iconic and symbolic.

ब्रूनर के अनुसार, किसी की बौद्धिक क्षमता परिपक्वता, प्रशिक्षण और अनुभवों के परिणामस्वरूप विकसित होती है, हालांकि तीन अनुक्रमिक चरणों की एक श्रृंखला, सक्रिय, प्रतिष्ठित और प्रतीकात्मक।

1. Enactive Stage सक्रिय अवस्था

This stage is characterized by the child's representation of things and events in terms of appropriate motor responses and activities. At this stage the child knows the world only through the medium of actions, not through the words or images. For example, the infant understands his environment by touching, biting and grasping. इस चरण में उचित मोटर प्रतिक्रियाओं और गतिविधियों के संदर्भ में चीजों और घटनाओं के बच्चे के प्रतिनिधित्व की विशेषता है। इस स्तर पर बच्चा केवल क्रियाओं के माध्यम से दुनिया को जानता है, शब्दों या छवियों के माध्यम से नहीं। उदाहरण के लिए, शिशु छूने, काटने और लोभी होकर अपने वातावरण को समझता है।

2. Iconic Stage आइकोनिक अवस्था

This stage is characterized by the child's representation of things and events in terms of sensory images or mental pictures (representation through perceptual means): At this stage, information is gained by imagery and the cognitive process controlled by perception. Single feature of the environment holds attention, visual memory is developed but impressionistic leaps take place. यह चरण संवेदी चित्रों या मानसिक चित्रों (अवधारणात्मक साधनों के माध्यम से प्रतिनिधित्व) के संदर्भ में चीजों और घटनाओं के बच्चे के प्रतिनिधित्व की विशेषता है: इस स्तर पर जानकारी कल्पना द्वारा और अनुभूति द्वारा नियंत्रित संज्ञानात्मक प्रक्रिया द्वारा प्राप्त की जाती है। पर्यावरण की एकल विशेषता ध्यान रखती है, दृश्य स्मृति विकसित होती है, लेकिन प्रभावपूर्ण छलांग लगती है

3. Symbolic Stage प्रतीकात्मक चरण

During this stage, symbolic representation in the form of words, symbols and other imagery abstract phenomena takes the place of motor activities and sensory images. The child engages in symbolic activities such as language and mathematics. The symbolic stage allows compatibility-that is condensation of experiences into formulae such as $F=ma$, $E=MC^2$, and into semantically rich statements, such as Too many cooks spoil the broth or A stitch in time saves nine. इस चरण के दौरान, शब्द, प्रतीकों और अन्य कल्पना सार घटनाओं के रूप में प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व मोटर गतिविधियों और संवेदी छवियों की जगह लेता है। बच्चा भाषा और गणित जैसी प्रतीकात्मक गतिविधियों में संलग्न है। प्रतीकात्मक चरण अनुकूलता की अनुमति देता है, जो कि $F = ma$, $E = MC^2$ जैसे सूत्रों में अनुभवों का संक्षेपण है, और शब्दार्थ रूप से समृद्ध कथनों में, जैसे बहुत से रसोइए शोरबा को खराब करते हैं या समय में एक सिलाई नौ बचाता है।

Educational Implications of Bruner's Theory / ब्रूनर के सिद्धांत के शैक्षिक निहितार्थ

The following are the important, educational implications of Bruner theory of cognitive development :
संज्ञानात्मक विकास के ब्रूनर सिद्धांत के महत्वपूर्ण, शैक्षिक निहितार्थ निम्नलिखित हैं:

1. Bruner joins mental growth modes of representation and learning processes to introduce his idea of the spiral curriculum. He states that if the teachers match the subject curriculum. He states that if the teachers match the subject matter to the child's mode of representation, they can introduce complex ideas to children at different times and with increasing abstractness. ब्रूनर सर्पिल पाठ्यक्रम के अपने विचार को पेश करने के लिए प्रतिनिधित्व और सीखने की प्रक्रियाओं के मानसिक विकास मोड में शामिल होते हैं। वह कहते हैं कि यदि शिक्षक विषय पाठ्यक्रम से मेल खाते हैं। वह कहते हैं कि अगर शिक्षक बच्चे के विषय-वस्तु के प्रतिनिधित्व के विषय से मेल खाते हैं, तो वे अलग-अलग समय पर और बढ़ती समरूपता के साथ बच्चों के लिए जटिल विचारों को पेश कर सकते हैं।
3. Children learn according to their mode of representation. So the teacher should select learning activities to be given to the children keeping their stage of development in mind. For example, children at the iconic stage need concrete objects and activities so that they can absorb them perceptually. बच्चे अपने प्रतिनिधित्व के तरीके के अनुसार सीखते हैं। इसलिए शिक्षक को अपने विकास के चरण को ध्यान में रखते हुए बच्चों को दी जाने वाली सीखने की गतिविधियों का चयन करना चाहिए। उदाहरण के लिए, प्रतिष्ठित अवस्था में बच्चों को ठोस वस्तुओं और गतिविधियों की आवश्यकता होती है ताकि वे उन्हें अवधारणात्मक रूप से अवशोषित कर सकें
4. According to Bruner, the child is first at the level of motor performance and then starts constructing the images and then only he learns the use of words. The main defect of present day education is that it begins with the word. Education which begins with motor activities will be more effective for preschoolers and primary schoolers. ब्रूनर के अनुसार, बच्चा पहले मोटर प्रदर्शन के स्तर पर है और फिर छवियों का निर्माण शुरू करता है और उसके बाद ही वह शब्दों का उपयोग सीखता है। वर्तमान शिक्षा का मुख्य दोष यह है कि यह शब्द से शुरू होता है। शिक्षा जो मोटर गतिविधियों के साथ रहती है, प्रीस्कूलर और प्राथमिक स्कूली छात्रों के लिए अधिक प्रभावी होग